कर चले हम फिदा

निम्नलिखित प्रश्नोंके उत्तर:-

प्रश्न:- 1 क्या इस गीत को कोई ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है ?

उत्तर:- 1 हॉ , इस कविता को एक प्रष्ठभूमि है। इस कविता कवि कैफी आजमी जी ने 'हकीकत' फिल्म के लिए लिखा था जिसमें उन्होंने 1962 में हुए भारत चीन के युद्ध का वर्णन करते हुए लिखा है कि इस युग में भारत के बहुत से सैनिक वीरगति को प्राप्त हो गए थे । शहीद होने वाले एक सैनिक के हृदय की आवाज को इस कविता में वर्णित किया है । जिन्हें अपने देश पर अपने किए - धरे पर जान है और वे देश वासियों से भी उम्मीद रखते है कि वें भी अपने - अपने स्तर से देश की रक्षा करें । और आवश्यकता पडने पर देश पर न्योछावर होने के लिए तैयार रहें । यही इस गीत की प्रष्ठभूमि है ।

प्रश्न:- 2 'सर हिमालय का हमने न झुकने दिया' इस पंक्ति में हिमालय किस बात का प्रतीक है ?

उत्तर:- 2 हिमालय हमारे देश के उत्तर भाग में सिथत है सबसे ऊपर होने के कारण इसे हमारे देश का शीश मुकुट और प्रहरी भी कहा जाता है । जितना महत्व एक व व्यक्ति के जीवन मे उसके सिर का होताहै उतना ही महत्व हमारे देश में हिमालय का है । जिस प्रकार अगर किसी व्यक्ति का सिर कट जाए तो उसका जीवन समाप्त हो जाता है

उसी प्रकार यदि हमारे देश में स्थित हिमालय पर कोई दूसरा अधिकतर जमाले तो हमारे देश का अस्तित्व खतम हो जाएगा । इसलिए शहीद होते हुए सैनिक ने कहॉ है कि ' भले ही हमारे सिर कट गए लेकिन हमने हिमालय का सिर नही झुकने दिया ' । क्योंकि हिमालय हमारी आन - वान और शान का प्रतीक है ।

प्रश्न:- 3 इस गीत में धरती को दुल्हन क्यों कहा गया है ?

उत्तर :- 3 ' जितना महत्व एक सामान्य व्यक्ति के जीवन में उसके परिवार और पत्नि का होता है । उससे कहीं अधिक महत्व एक सैनिक के जीवन में उसकी मातृभूमि का होता है वह मातृभूमि की रक्षा के लिए परिवार और पत्नि को भी भूल जाता है । उसके लिए उसको मातृभूमि ही सब कुछ है । वह अपने खून का बलिदान देकर मातृभूमि की रक्षा करता है जिस तरह सामान्य जीवन में लोग अपनी पत्नी की मॉग मे सिंदूर भर कर उसे सुहागन बनातेहै। उसी प्रकार सैनिक युद्ध के मैदान मे अपना खून बहाकर धरती केा लाल कर देतेहै अर्थात धरती की मॉग भर देते है। उनके लिए धरती ही उनकी पत्नि है ।

प्रश्न :- 5 कवि ने 'साथियों' संबोधनका प्रयोग किसके लिए किया है?

उत्तर :- 5 कवि ने ' साथियों 'शब्द का संबोधन अपनेदेश वासियों के लिए कियाहै शहीद होते हुए सैनिक की इच्छा है कि हम सभी देश वासी अपने - अपने स्तर से अपने देश की रक्षा करें । क्योंकि देशकी रक्षा करना केवल सैनिकों का काम नही है । बलिकदेशके सभी

नागरिकों की जम्मेदारी है । इसलिए हम सब मिलकर देश की रक्षा करें 'क्योंकि हम सब साथी है ।

प्रश्न:-6 कवि ने इस कविता मे किस काफिलेको आगे बढाते रहने की बात कही है?

उत्तर :- 6 कवि ने इस कविता में देश पर बलिदान होन की इच्छा रखने वाले वीरों के काफिले आगे बढनेकी बात कही है । शहीद होने वाले सैनिक को डर है कि कहीं हमारे बाद देश के नौजवानों मे कुर्बानी देने का जज्बा खतम न हो जाए । इसलिए वह कहता है कि तुम सजाते ही रहना नये काफिले ।

प्रश्न:- 7 इस गीत मे ' सर पर कफन बॉधना' किस आरे संकेत करता है ?

उत्तर:- 7 इस गीत मे ' सर पर कफन बॉधने ' का संकेत है देश पर बलिदान होनेके लिए सदैव तैयार रहना । कवि कहता है कि न जाने कब और किस ओर से देश पर आक्रमण हो जाए इसलिए हमें सदैव देश की रक्षा के लिए सिर पर कफन बॉधकर अर्थात् बलिदान देने के लिए तैयार रहना है ।

प्रश्न :- 8 इस कविता का प्रतिपाध अपने शब्दों मे लिखिए -

उत्तर:- 8 यह कविता कति कैफों आजमी जी ने 'हकीकत ' फिलिम के लिए लिखी थी । इस कविता में 1962 के भारत - चीन युद्ध मे शहीद हुए सैनिकों की मन की इच्छा को कवि ने प्रकटकिया है । एक सैनिक अपनेदेश वासियों से कहता है कि हम तो अब इस वतन

को छोडकर जा रहे है और अब इस वतन की रक्षा करना तुम्हारा कर्तव्य है । देश को बचाने के लिए नब्ज जम रही थ्ज़ी । पर फिर भी हमने पीछे मुड कर नही देखा और हिमालय की रक्षा की । वे कहते है जिंदा रहने के लिए तो इंसान बहुत बहाने बना सकताहैमगर देश पर मरने का मौका हर बार नही आता ।देश के सैनिकोंने अपनेखून से धरती की मॉग भर दी है और धरती आज दुल्हन लग रही और वह यह भी कहता है कि सभी देश वासी अपनी देश की रक्षा के लिए तैयार रहे और अपनी सीमा रेखा को इतना मजबूत कर दो कि कोई भी दुश्मन हमारे देश मे कदम न रख पाए । यह धरती सीता के समान है और आप लोग राम और लक्ष्मण और आपको इसकीरक्षा करनी है इन पक्तियोंके द्वारा एक सैनिकअपने देश वासियोंको देश की रक्षा के प्रति जागरूक कर रहा है ।